A-0405

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-606

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन–02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. अरिष्ट योग का विचार कैसे किया जाता है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Q.2. अरिष्ट भंग में बृहस्पति ग्रह की भूमिका के बारे में विस्तृत वर्णन कीजिए।

Q.3. सूर्यादि नवग्रहों द्वारा अरिष्ट योगों के निदान को स्पष्ट उल्लेख कीजिए।

Q.4. द्वादश भाव फल विचार के उपर स्पष्ट वर्णन कीजिये।

Q.5. आचार्य वराहमिहिर के अनुसार आयु विचार को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. आठ से बारह वर्ष पर्यंत अरिष्ट विचार को स्पष्ट कीजिए।

Q.2. महर्षि पराशर अनुसार बलारिष्ट विचार को उल्लेख कीजिये।

Q.3. अरिष्ट भंग योग के बारे में संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

Q.4. लग्न, चतुर्थ, सप्तम, दशम भाव पर लघु निबंध लिखें।

Q.5. यंत्रों की शक्ति के बारे में संक्षिप्त उल्लेख कीजिये।

P.T.O.

Q.6. अल्पायु एवं मध्यमायु योग के बारे में संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

Q.7. चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी तिथियों के फलों के बारे में संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Q.8. त्रिग्रह योगफलों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

****